

दिनांक 20.12.2015

प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर का दूसरा बड़ा सोलर पॉवर प्लान्ट शुरू

जयपुर शहर का दूसरा सबसे बड़ा सोलर पॉवर प्लान्ट को 100 किलोवाट क्षमता का है। जयपुर मेट्रो के मानसरोवर डिपो पर शुरू किया गया है। ग्रीन एवं रिन्यूवेबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिये मेट्रो के बोर्ड आफ डायरेक्टर ने इसे स्थापित करने का निर्णय लिया था।

जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री निहाल चन्द गोयल ने बताया कि मेट्रो के इस 100 किलोवाट सोलर बिजली घर को राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक एवं इंस्ट्रूमेंट लिमिटेड (रील) द्वारा स्थापित किया गया है। इस प्लान्ट के निर्माण में कुल 90 लाख रुपये की लागत आई है। जिसमें से 30 राशि की छूट सौर उर्जा को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार (सौर एनर्जी कॉरपोरेशन आफ इण्डिया) द्वारा दी गई है।

जिससे वास्तविक खर्च 63 लाख रुपये आया है। यह सोलर प्लान्ट प्रतिवर्ष करीब 1.5 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा। जिससे मेट्रो के बिजली खर्च में 10 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी।

इस प्लान्ट में 250 वॉट क्षमता के 414 सोलर पेनल है जो कि मानसरोवर डिपो की प्रशासनिक भवन एवं ट्रेनिंग स्कूल की छत पर लगाये गये है। इस प्लान्ट से पैदा होने वाली बिजली को डिपो के ग्रीड से जोड़ा गया है, जो डिपो स्थित भवन एवं मशीनों के खर्च में काम आयेगी।

गोयल ने जानकारी दी कि इस सोलर प्लान्ट का आगामी चार वर्षों के लिये कार्य रील द्वारा किया जायेगा। लेकिन दैनिक नियंत्रण जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन करेगी। जयपुर हवाई अड्डे के 165 किलोवाट के सोलर प्लान्ट के बाद यह जयपुर का दूसरा बड़ा प्लान्ट है। इस प्लान्ट को शुरू करने से पहले विधुत निरीक्षक जयपुर डिस्काम, सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन आदि सभी की आवश्यकता मंजूरीयाँ प्राप्त की गई ताकि इसमें सभी सुरक्षा एवं सिस्टम संरक्षण के सभी प्रावधान उपलब्ध है। स्कांडा सिस्टम द्वारा अपनी कार्यप्रणाली के नियंत्रण हेतु अलग से कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था भी है।

बिजली बचाओ देश बनाओं एवं उर्जा संरक्षण तथा ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए यह सोलर बिजलीघर जयपुर मेट्रो की एक अच्छी पहल है

जनसम्पर्क अधिकारी

